वाणिज्य में स्नातक
बी. कॉम(एफ. वाई. यू. पी.)

बी. ई. सी.सी. -101: प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र

सत्रीय कार्य
2024–25

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जनवरी 2024 से 31st दिसम्बर 2024

प्रथम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

वाणिज्य में स्नातक (बी. कॉम)

बी. ई. सी.सी. -101: प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र

सत्रीय कार्य 2024–25

प्रिय छात्र/छात्राओं,

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो जून 2024 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2024 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो दिसम्बर 2024 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2024 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

बीईसीसी-101 : प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.सी.सी.-101
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टी.एम.ए./ 2024-2025
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य 1

निम्नलिखित वर्णनात्मक वर्ग के सभी प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2x 20=40

1) क) निम्नलिखित रेखाचित्र पर विचार करें जहाँ पूंजी (K) तथा श्रम (L) दो उत्पादन के साधन हैं। 800, 900, 1000 तथा 1100 इकाई स्तर के उत्पादन को क्रमशः I_A, I_B, I_C, तथा I_D समोत्पाक वक्र द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

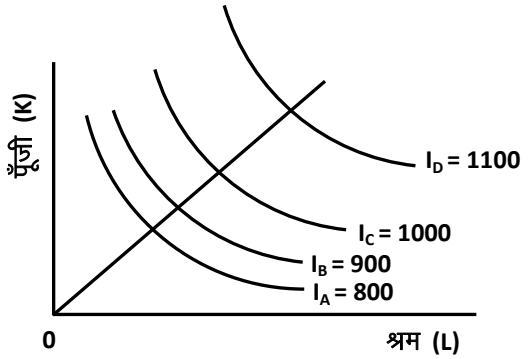

i) उपर्युक्त समोत्पाद वक्रों द्वारा प्रदर्शित पैमाने की प्रतिफल अवस्था को बताइये। कौन-से कारक प्रतिफल अवस्थाओं के लिए उत्तरदायी हैं। **(5)**

ii) किसी फर्म द्वारा उत्पादन का विस्तार प्रति इकाई बढ़ती हुई औसत लागत के साथ होता है। इस विचार को मितव्ययताओं के पैमाने के रूप में व्यक्त करें। इस विचार के पीछे के कारणों को भी बतायें। **(5)**

iii) किसी फर्म द्वारा सामना की जाने वाली आंतरिक मितव्ययताओं एवं बाह्य मितव्ययताओं के पीछे कारणों को बताएं। **(10)**

2) क) उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग कर पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता बाज़ार के अंतर्गत किसी फर्म द्वारा दीर्घकालीन संतुलन के प्राप्ति हेतु पूरी की जाने वाली शर्तों के बीच तुलना करें। **(10)**

ख) पूर्ण प्रतियोगिता वाले बाज़ार के अंतर्गत कार्यशील एक फर्म का सीमांत लागत फलन इस प्रकार है –

$$MC(Q) = 2Q + 100$$

जिसमें सीमांत लागत MC है, Q उत्पादन की मात्रा है तथा P कीमत है। यदि उत्पादन की प्रति इकाई कीमत रु.60 है तो उत्पादन के किस स्तर पर लाभ अधिकतम होगा? अधिकतम लाभ क्या होगा? किस न्यूनतम कीमत पर फर्म धनात्मक उत्पादन करेगी? **(10)**

सत्रीय कार्य-2

निम्नलिखित मध्यम उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

3x 10=30

3. क) रेखाचित्र की सहायता से यह प्रदर्शित करें कि माँग की कीमत लोच जितनी अधिक होगी, उतना ही अधिक कर का भार उत्पादक द्वारा वहन किया जाएगा। **(5)**

   ख) उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग कर बहु संतुलन स्तर के तहत् माँग एवं पूर्ति की आकृतियों की तुलना एक अद्वितीय संतुलन स्तर के तहत माँग एवं पूर्ति की आकृतियों से कीजिए। **(5)**

4) तकनीकी दक्षता की अवधारणा की व्याख्या करें। यह आवश्यक नहीं कि तकनीकी दक्षता कुल-मिलाकर परेटो अनुकूलतम उत्पाद मिश्र को सुनिश्चित करें। इसके कारण बताएं। **(10)**

5) रेखाचित्र की सहायता से नकारात्मक बाह्यताओं से जुड़ी मृत भार घाटे (deadweight loss) का प्रदर्श करें। इस प्रकार मृत भार घाटे की हानि से किस प्रकार पीगूवीयन (Pigouvian) कर समाधान प्रस्तुत करता है?
(10)

सत्रीय कार्य-3

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का मान 6 अंक है। **5x 6=30**

6. जब हम किसी उन्नतोदर (convex) समोत्पाद वक्र पर अपर तथा नीचे की ओर गमन करते हैं तब तकनीकी सीमांत स्थानपित्त दर (MRTS) क्यों घटती है?

7. 'उपभोक्ता की बचत की अवधारणा ह्रासमान सीमांत उपयोगिता के नियम से व्युत्पन्न की जाती है'– व्याख्या करें।

8. अंतर्पण्य (Arbitrage) से आप क्या समझते हैं?

9. आभासी लगान की अवधारणा अन्य उत्पत्ति के साधनों के लिए रिकार्डियन (Ricardian) लगान की अवधारणा का ही विस्तार है। विवेचना करें।

10. एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता के तहत् दीर्घकालीन संतुलन से जुड़ी अतिरेक क्षमता की अवधारणा की चर्चा कीजिए।